RR-3557

Seat No. _____

S. Y. B. A. (External) Examination

April/May - 2003

Hindi (Prose) : Paper - IV

(First Subsidiary)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **100**

सूचना : सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं ।

१ उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'रतीनाथ की चाची'की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

१ संक्षेप में लिखिए :
(अ) 'रतिनाथ की चाची' उपन्यास की मुख्य समस्या
(ब) रतिनाथ का चरित्र ।

२ 'रतीनाथ की चाची' उपन्यास की कथावस्तु लिखते हुए उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

२ संक्षेप में लिखिए :
(अ) 'रतीनाथ की चाची' में गौरी का पात्र
(ब) 'रतीनाथ की चाची' शीर्षक ।

३ 'दल बदलनेवाला' में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

३ संक्षेप में लिखिए :
(अ) गेहूं का सुख
(ब) 'बिहार में चुनाव लड़ रहे हैं' का व्यंग्य ।

४ 'भोलाराम की जीव' कहानी की व्यंग्य के आधार पर समीक्षा कीजिए ।

अथवा

४ संक्षेप में लिखिए :
(अ) 'घायल वसंत' निबंध की विशेषता ।
(ब) ठिठुरता हुआ गणतंत्र का व्यंग्य ।

५ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) 'किसी भी युग में स्त्री को अमृत पीने का सुयोग नहीं मिला । पुरुष को अमृत पिलाकर स्वयं वह विषपान करती आई है ।'

अथवा

(अ) 'जिस समाज में हजारों की तादाद में जवान विधवाएँ रहेंगी, वहाँ यही सब तो होगा ।'

(ब) 'जनता उन मनुष्यों को कहते हैं, जो वोटर है और जिनके वोट से विधायक तथा मन्त्री बनते हैं । इस पृथ्वी पर जनता की उपयोगिता कुल इतनी है कि उसके वोट से मंत्रीमंडल बनते हैं । अगर जनता के बिना सरकार बन सकती है, तो जनता की कोई जरुरत नहीं है ।'

अथवा

(ब) निन्दा का उद्‌गम ही हीनता और कमजोरी से होता है मनुष्य अपनी हीनता से दबता है । वह दूसरों की निन्दा करके ऐसा अनुभव करता है कि वे सब निकृष्ट है वह उनसे अच्छा है । उस के अहं की इससे तृष्टि होती है ।